MAHESHWARI MAHILA E-PATRIKA

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002 पोस्ट पंजीयन क्र. 536

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का मुख...

जून 2024

वर्ष–1 अंक–4

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

त्रयोदश सत्र

अष्टसिद्धा एवं संस्कृति सिद्धा समिति द्वारा

महेशनवमी

के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम

साड़ी वाकेथान

8 जून 2024 शनिवार

विशेषांक

नारी लगती कितनी प्यारी, जब वह पहने साड़ी।
हाथ में कलावा, माथे पर बिंदी, लाल चुनरिया तारों वाली।

सौ. मंजू बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष, कानपुर

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान

सम्पूर्ण भारत की 31,944 बहनों ने सारी वाकेथान में भाग लिया

सौ. ज्योति राठी
राष्ट्रीय सचिव, रायपुर

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान साड़ी भारतीयता की पहचान।

हम हमारी संस्कृति को ना भूलें

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर उक्त कार्यक्रम सभी प्रदेशों में जोश,उमंग,हर्ष,उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम को लेकर बहनों में एक अलग ही उत्साह नजर आया। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित साड़ी वाकेथान को अद्वितीय सफलता दिलाने के लिए आप सभी का हृदय से धन्यवाद। आपकी प्रतिबद्धता, उत्साह और अथक प्रयासों ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया है। आपके प्रयासों ने न केवल हमारे उद्देश्य को सार्थक बनाया, बल्कि पूरे देश में एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को भी प्रबल किया है। साड़ी वाकेथान के माध्यम से आपने एक सशक्त संदेश दिया है कि हमारी पारंपरिक वेशभूषा न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर है, बल्कि हमारी पहचान और गर्व का प्रतीक भी है। आपने इस आयोजन के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है, जिसके लिए हम सब आपके ऋणी हैं। इस आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले प्रत्येक सदस्य की मेहनत और समर्पण को सलाम। हम सब मिलकर ऐसे और भी सफल आयोजनों की दिशा में अग्रसर होंगे और अपने देश की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने और सहेजने का कार्य करते रहेंगे। संपूर्ण राष्ट्र में यह कार्यक्रम 437 संगठनों द्वारा आयोजित किया गया। साड़ी वाकेथान कार्यक्रम में कुल 28,944 बहनें सम्मिलित हुईं।

डॉ. नम्रता बियाणी
राष्ट्रीय प्रभारी, अष्टसिद्धा समिति

हमारी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के उद्गार

सौ. आशा माहेश्वरी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, कोटा

सौ. लता लाहोटी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूना

सौ. गीता मूंदड़ा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, इन्दौर

सौ. बिमलादेवी साबू
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सूरत

सौ. शोभा सादानी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, कोलकाता

श्रीमती सुशीला काबरा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, इन्दौर

सौ. कल्पना गगड़ानी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, डोंबीवली

सौ. रत्नीदेवी काबरा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुंबई

शपथ
जो सभी ने ली

* हम प्रतिज्ञा करते हैं कि प्रत्येक सामाजिक कार्यक्रम और पर्व पर साड़ी पहनकर अपनी संस्कृति का सम्मान करेंगे।
* हम संकल्प लेते हैं कि साड़ी पहनने की कला को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे, ताकि हमारी संस्कृति और परंपराएँ जीवित रहें।

आज से हम यह शपथ लेते हैं कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संजोएंगे और साड़ी पहनने की प्रथा को गर्व और सम्मान के साथ जीवित रखेंगे। हमारी यह प्रतिबद्धता हमारी संस्कृति और परंपराओं के प्रति हमारे सम्मान और प्रेम का प्रतीक है।

मध्यांचल प्रादेशिक महिला संगठन

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सम्पूर्ण भारत में विदर्भ प्रदेश में सर्वाधिक 5831 बहनों ने सारी वाकेथान में भाग लिया

आंचल बनकर बच्चों पर ममता बरसती है साड़ी।
स्नेह, लज्जा, ममता, प्रेम बन जाती है साड़ी।

इस बात को साकार करते हुए, धार्मिक कार्यक्रमों में अग्रणीय माहेश्वरी समाज इस वर्ष महेश नवमी का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाने जा रहा है। भारतीय परिधान साड़ी को बरकरार रखने के लिए 8 जून को पूरे भारत में साड़ी वाकेथान का आयोजन किया गया, जिसमें विदर्भ प्रदेश में 11 जिलों के सभी स्थानीय तथा तालुका संगठनों ने 56 मंदिरों में राष्ट्रीय निर्देशानुसार बोर्ड का अनावरण किया। प्रत्येक सामाजिक कार्यक्रम तथा पर्व पर साड़ी पहनने की प्रतिज्ञा ली। 5831 बहनों की सहभागिता रही। रानी पद्मिनी, झांसी की रानी, अहिल्याबाई आदि बनकर वाकेथान को कुछ बहनों ने शोभायमन बनाया। सभी जगह विभिन्न पदाधिकारी भाई तथा आयुक्त अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी के अवसर पर आयोजित साड़ी वाकेथान में छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की सभी बहनों ने अपने-अपने स्थर पर उक्त आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

8 जून को महेश नवमी के अवसर पर गुजरात की सभी बहनों ने साड़ी वाकेथान कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें पूरे प्रदेश से सैकड़ों बहनों ने कार्यक्रम में उत्साह के साथ भाग लिया व शपथ भी ली।

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पश्चिमी मध्य प्रदेश (मध्यांचल) साड़ी वाकेथान में प्रदेश में 15 संगठनों ने भाग लिया, जिसमें 44 जगहों पर कार्यक्रम हुआ ,1629 महिलाओं ने अपने अपने संगठन में भाग लेकर अपनी संस्कृति को दर्शाया। सभी जगह प्रशासनिक अधिकारी के हस्त फ्लैग ऑफ करके कार्यक्रम की शुरुआत की।पूरी सभ्यता के साथ चलते हुए मंदिर परिसर में पहुंच कर मुख्य अतिथि, के हस्त करवा कर मंदिर में अपनी संस्कृति के साथ आने की अपील की।जल पान की व्यवस्था के पश्चात कार्यक्रम को विराम दिया।

पूर्वी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पूर्वी मध्यप्रदेश में 16 जिलों के 48 शहरों/ गाँवों में साड़ी वॉकेथान का कार्यक्रम बेहद उत्साह के साथ, सभी तीज-त्यौहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में साड़ी पहनने की शपथ ग्रहण कर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अतिथि के रूप में कहीं पर कलेक्टर, कहीं डिप्टी कलेक्टर कहीं इग्नू के डायरेक्टर, कहीं पर महापौर, मेडिकल ऑफिसर , प्रशासनिक एदाधिकारीयों की गरिमामय उपस्थित रही। प्रदेश में सभी संगठनों से लगभग 4000 से 5000 बहनों ने साड़ी वॉकेथान में भाग लिया । इस कार्यक्रम में बहुत सी बहनें रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्या बाई, किरण बेदी, सुषमा स्वराज, सावित्री बाई फूले, जीजा बाई, शकुन्तला बाई, मीरा बाई, सरोजनी नायडू, लता मंगेशकर आदि स्वरूपों में उपस्थित रहीं। साथ ही जैन समाज ,अग्रवाल समाज , ब्राह्मण समाज , लायंस क्लब , इनर व्हील क्लब जैसे सामाजिक संगठनों ने भी साथ में साड़ी वाकेथान को एक नया आयाम दिया ।

पश्चिमांचल प्रादेशिक महिला संगठन

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान
साड़ी भारतीयता की पहचान।
हम हमारी संस्कृति को ना भूलें।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आव्हान पर उक्त कार्यक्रम सम्पूर्ण प्रदेश में बहुत ही जोश, उमंग, हर्ष, उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में एक अलग ही उत्साह नजर आया। महिलाओं के पीत वस्त्र धारण करने से ऐसा महसूस हो रहा था मानो स्वंय ऋतुराज बसन्त स्वागत करने को आतुर हो रहे हो। महिलाओं और बालिकाओ ने विविध वेशभूषा धारण कर रखी थी।समाज की सभी महान विभूतियां पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री श्री रमाकांत जी बाल्दी सहित प्रदेश सभा अध्यक्ष श्रीगोपी किशन जी बंग प्रदेश मंत्री श्री एस डी बाहेती जी पूर्व पश्चिमांचल सयुंक्त मंत्री श्री श्याम सुंदर जी मंत्री सहित क्षेत्रीय व स्थानीय समाज के अध्यक्ष मंत्री सहित अनेक समाज पदाधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम को अभिप्रेरित किया। मध्य राजस्थान में यह कार्यक्रम 25 संगठनों नसीराबाद, ब्यावर, सरवाड़, केकड़ी, आदर्श माहेश्वरी महिला मंडल अजमेर, महेश मित्र परिवार, किशनगढ़, पुष्कर, कुचामन, मकराना ,मेड़ता रोड, परबतसर, डेगाना, डीडवाना, मेड़ता सिटी, गच्छीपुरा, ,मालपुरा, देवली, दूनी, भरनी देवडावास ,टोंक और सवाई माधोपुर, नागौर और जसवंतगढ़ में संपन्न हुआ। पश्चिमांचल अंतर्गत मध्य राजस्थान प्रदेश में साड़ी वाकेथान कार्यक्रम में कुल 1640 बहने सम्मिलित हुई।

शशि लड्ढा:-प्रदेश अध्यक्ष, मनीषा बागला:-प्रदेश सचिव, शान्ता धूत:-राष्ट्रीय कार्यसमिति, ज्ञानधारा राठी:-अष्टसिद्धा संयोजिका, नीतू सोमाणी:-संस्कृतिसिद्धा संयोजिका

दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

हमारी संस्कृति, हमारा परिधान, साड़ी भारतीयता की पहचान

साड़ी हमारा गरिमामय परिधान है और हमारी परंपरा है। आइए, संस्कृति का सम्मान करें, साड़ी अपनाकर नारी का मान बढ़ाएं। राष्ट्रीय महिला संगठन के अष्टसिद्धा व संस्कृति सिद्धा समिति के आव्हान पर पूरे भारत व नेपाल में एक ही दिन एक ही समय पर साड़ी वाकेथन का आयोजन हुआ. अपनी परंपरा को पुनः स्थापित करने और साड़ी को आधुनिकता की पहचान दिलाने के उद्देश्य से साड़ी वाकेथान का आयोजन किया गया। सभी बहनें पीली साड़ी लाल दुपट्टे,कलावा-बिंदी सहित सजी हुई भारतीय गौरव का मान बढ़ा रही थी सारी बहनों ने विभिन्न किरदारों का भी रूप लिया जैसे रानी पद्मावती, झाँसी की रानी, जीजा बाई, डाक्टर, सुषमा स्वराज, इंदिरा गांधी, वैज्ञानिक आदि..भजन गाये व ठंडे पेय का कहीं लस्सी, कहीं आइसक्रीम,शर्बत, छाछ,कुल्फी आदि का वितरण किया गया।

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पूर्वी राजस्थान के सभी जिलों में महेश नवमी पर्व 8 जून साड़ी वॉकेथान से शुरू होकर 15 जून तक शोभायात्रा और सामूहिक भोजन के साथ संपन्न हुआ। साड़ी वाकेथान चारों जिलों में वॉक किया गया कोटा में महिला बैंड की मधुर धुन पर मुख्य अतिथि द्वारा शुरुआत से लेकर अंत तक वॉक की गई । सभी जगह मंदिरों पर पट्टिका का अनावरण शहर के गणमान्य व्यक्तियों के द्वारा किया गय एवं बहनों को शपथ दिलाई गई। कोटा बारा बूंदी झालावाड़ जिलों में 9 जून को खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई फैंसी ड्रेस नाटक 90 की रेट्रो थीम पर महिलाओं द्वारा ग्रुप डांस व कोटा में उभरते सितारे, कार्यक्रम में ज्वैलरी, स्टील के बर्तनों से मंदिर बनाओ मुखवास, मॉम हम तुम प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रदेश अध्यक्ष मंजु भराड़िया * प्रदेश मंत्री नीलम तापड़िया

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी के अवसर पर आयोजित साड़ी वाकेथान में सभी महिलाओं ने एक साथ एक शपथ भी ली कि वो अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोयेंगे और साड़ी पहनने की प्रथा को गर्व और सम्मान के साथ जीवित रखेंगे। साड़ी पहनने की कला को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का प्रयास करेंगे। उन सबका समूह पीली साड़ी में अति उत्साहित था। प्रदेश के सभी शहर, अंचलों, कस्बों से साड़ी वाकेथान रैली निकाली गई, जिसमें प्रदेश की सैकड़ों बहनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

उत्तरी-पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहे. महिला संगठन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा मर्यादित वस्त्र पहनने की परंपराओं को बढ़ावा देने तथा भारतीय संस्कृति के सम्मान हेतु जागृति पैदा करने के उद्देश्य से 8 जून को साड़ी वाकेथान कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष पूनम दरगड ने जानकारी दी कि 'हमारी संस्कृति हमारा अभिमान-साड़ी भारतीयता की पहचान' की थीम पर ये कार्यक्रम नेपाल सहित सम्पूर्ण भारत के 27 प्रदेशों में एक साथ शनिवार, 8 जून, 2024 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक रजनी माहेश्वरी एवं स्नेहलता साबू ने बताया कि महिलाओं के इस अनूठे साड़ी वाकेथान में जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ.सौम्या गुर्जर, पूर्व महापौर श्रीमती ज्योति खंडेलवाल, मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता जी लड्ढा, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुमनलता जी दरगड़, स्वागताध्यक्ष श्रीमती प्रीति जी झंवर, अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जी गगडानी तथा मृदुश्री अजमेरा (उपनिदेशक उद्योग विभाग) ने अल्बर्ट हॉल पर झंडा दिखा कर रैली का शुभारंभ किया। प्र रैली में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख वीरांगनाओं एवं प्रेरक महिलाओं के स्वरूप प्रमुख आकर्षण रहे। एकरूपता और भव्यता के लिये साड़ी वाकेथान की सभी सहभागियों ने पीले रंग की साड़ी और लाल रंग का दुपट्टा पहना था।

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

8 जून को, पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने अष्ट सिद्धा और संस्कार सिद्धा समिति के अंतर्गत भव्य साड़ी वॉक का आयोजन किया। यह एक अविस्मरणीय दिवस रहा, जहाँ सभी महिलाओं ने पीले रंग की साड़ी और लाल रंग का दुपट्टा पहनकर अपनी संस्कृति की रक्षा का संकल्प लिया। सोजत, पाली, जालौर, जैसलमेर, फलोदी, चौहटन, बाड़मेर और जोधपुर सहित सभी जिला संगठनों एवं स्थानीय संगठनों ने उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में इस साड़ी वॉक का आयोजन किया। सुबह सूर्य की पहली किरणों के साथ ही महिलाएं एकत्रित होकर साड़ी वॉक के लिए निकल पड़ीं। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साड़ी हमारा अभिमान के नारे लगाए। लगभग 720 महिलाओं ने इस साड़ी वॉक में भाग लिया। जुलूस ढोल-नगाड़ों और बैंडबाजों के साथ निकला और अपने निकटतम मंदिरों तक पहुंचा। वहां पर साड़ी की महिमा का वर्णन किया गया और महिलाओं ने शपथ ली कि वे धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में हमेशा साड़ी को अग्रणी रखेंगी। इस अवसर पर महिला संगठनो द्वारा अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा किए गए इस अभिनव प्रयास की सराहना की गई एवं सामाजिक संदेश हेतु प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया।

अध्यक्ष-मनीषा मूंदड़ा * सचिव-रीटा माहेश्वरी

अष्टसिद्धा समिति संयोजिका-छाया राठी, संस्कार सिद्ध समिति संयोजिका-मधु मूंदड़ा

उत्तरांचल प्रादेशिक महिला संगठन

मध्य उत्तरप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में अष्ट सिद्धा एवं संस्कृतिसिद्धा समिति के अंतर्गत महेश नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित साड़ी वाकेथान कार्यक्रम 8 जून को सुबह 7 बजे परमट मंदिर में 175 बहनों ने श्रृंगार कर रोली, अक्षत टीके एवं मोली बाँध राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ एवं शहर की महापौर प्रमिला जी पांडे के कर कमलों द्वारा फ्लैग ऑन एवं ढोल- नगाड़े से शुभारंभ हुआ । राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया ताकत बढ़ती है जब हम हिम्मत करते है। एकता बढ़ती है जब हम एकजुट होते है।प्रेम और सौहार्द बढ़ता है जब हम परस्पर साझा करते हैं! संस्कार और संस्कृति तब संभलती है जब हम उसकी परवाह करते हैं।

इस कार्यक्रम को थोड़ा और दिलचस्प बनाने के लिए स्लोगन प्रतियोगिता एवं भारतीय संस्कृति के अनुरूप श्रृंगार प्रतियोगिता में चयनित बहनो को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्रीमती प्रीति जी तोषनीवाल, प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। कुछ बहने रानी लक्ष्मीबाई एवं सुषमा स्वराज ,जीजा बाई,मिस वर्ल्ड का स्वरूप ले उपस्थित हुई। राष्ट्रीय पदाधिकारी ने भूरि भूरि प्रशंसा कर सर्टिफिकेट दे उत्साह वर्धन किया। प्रदेश के सभी जिले मैनपुरी, उरई, जालौन, कानपुर में लगभग 380 बहनो ने साड़ी वाकेथान में भाग लिया।

अध्यक्ष: सीमा झंवर * सचिव: नीलम मंत्री

पंजाब-हरियाणा प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

हरियाणा पंजाब प्रदेश के 8 संगठनों ने पूरे जोर ,शोर और उत्साह से साड़ी वाकेथान किया । वाकेथान ढोल,नृत्य, पोस्टर्स,नारी शक्ति के नारों और गीतों ,बैनर के साथ निकाला गया। बोर्ड का अनावरण प्रशासनिक अधिकारी द्वारा करवाया गया। मुख्य अथिति ने अपने उद्बोधन में साड़ी को पारंपरिक भारतीय संस्कृति की वेशभूषा और गहना बताया । प्रोफेशनल युवतियों को सम्मानित किया गया ।और साथ ही पुरुष वर्ग भी जय महेश के नारों के साथ सम्मिलित हुए। मीडिया कवरेज भी की गई । मंदिर में पुजारी जी ने इस कार्यक्रम को अत्यंत सराहा। मंदिर में बहनों ने कीर्तन का आनंद भी लिया। सभी संगठनों में ठंडे शरबत और छाछ की छबील लगाई गई। राष्ट्रीय कार्यसमिति पूनम जी राठी ने अमेरिका में साड़ी वाकेथान को एक पिकनिक का रूप दिया। इसमें 15 माहेश्वरी परिवार शामिल हुए। महेश वंदना कर भगवान महेश की पूजा अर्चना की गई। सभी संगठनों में नारी के ऊपर स्वरचित गीत गाए गए। अध्यक्ष सीमा मूंदड़ा और सचिव अनु सोमानी के नेतृत्व मे 400 से 450 बहनों के साथ पूरे प्रदेश में साड़ी वाकेथान संपन्न हुआ । प्रदेश सभा के पुरुष पदाधिकारियों ने इस प्रोजेक्ट की भूरी भूरी प्रसंशा की।

अध्यक्ष सीमा मूंदड़ा * सचिव अनु सोमानी

पूर्वी उत्तरप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

साड़ी एक भव्य परिधान है ऐसा,
जो किसी भी महिला पर बेहद फबता
साड़ी में लगती है सुंदर हर एक नारी,
शालीन,सौम्य,मनमोहक,और भी प्यारी।
साड़ी आध्यात्मिक व सात्विक परिधान,
संस्कार,मर्यादा और परंपरा की शान।

पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की बहनों ने 8 तारीख को महेश नवमी के उपलक्ष में बहुत ही भव्य तरीके से साड़ी वाकेथान में सक्रिय भागीदारी दिखाई। फ्लैग ऑफ़ एवं अनावरण शिक्षा क्षेत्र एवं विभिन्न सेवा कार्यों में रत श्रीमती अल्पना जी तापड़िया कोऑर्डिनेटर एवं सीनियर टीचर, डीपीएस दिल्ली द्वारा करवाया गया। प्रत्येक स्थानीय संगठन ने मिर्जापुर,वाराणसी, भदोही, लखनऊ, प्रयागराज सभी ने अपने अपने स्थान पर बहुत ही भव्य तरीके से साड़ी वाकेथान में हिस्सा लिया और इसको पर्व की तरह पूरे उत्साह,जोश और जुनून के साथ संपन्न किया। सभी जगह की 450 महिलाओं ने भागीदारी दिखाई। रैली के पश्चात शीतल जल, मट्ठा एवं शरबत का वितरण किया गया।

पश्चिम उत्तरप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

महेश नवमी के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अष्ट सिद्धा व संस्कृति सिद्धा के अन्तर्गत आयोजित साड़ी वॉकेथान कार्यक्रम प्रदेश के 17 संगठनों द्वारा अत्यंत जोश के साथ सम्पन्न हुआ । राष्ट्रीय संगठनों के निर्देशानुसार सर्वप्रथम बहनो ने पारम्परिक वेशभूषा पीली साड़ी व लाल दुपट्टा पहनकर झंडी दिखाकर साड़ी वॉकेथान की शोभायात्रा आरम्भ की। तत्पश्चात् मंदिर के प्रांगण में अतिथि द्वारा बोर्ड का अनावरण कराया गया । कार्यक्रम में उत्तरांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती मंजू जी हुरकट की पूर्ण सहभागिता रही। इस कार्यक्रम में सभी संगठनों ने जोरशोर से हिस्सा लिया ।

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान,
साड़ी हैं भारतीयता की पहचान।
संस्कृति संरक्षण का लिया प्रण,
साड़ी वाकेथान किया धूमधाम से सम्पन्न।

महेश नवमी के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा अष्टसिद्धा व संस्कृतिसिद्धा समिति अन्तर्गत नेपाल लगायत सम्पूर्ण भारत में एक ही दिन – एक ही समय पर साड़ी वाकेथान का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आह्वान पर दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के सभी क्षेत्रों द्वारा सुबह 7.30 से 8.30 के मध्य साड़ी वाकेथान यात्रा का शुभारंभ अतिथि द्वारा फ्लेग आरोहण के साथ किया गया। पीली साड़ी, लाल दुपट्टा, माथे पर लाल बिंदी तथा हाथ में कलावा बांधे मनमोहक श्रृंगार के साथ सजी-संवरी भारतीय गौरव का मान बढ़ाती हमारे संगठन की 225+ बहनों का जोश और हर्षोल्लास देखते ही बन रहा था। पुष्पवर्षा तथा ढोल नगाड़े की थाप पर नारी शक्ति गीत गाते हाथ में बैनर लिए सभी बहनों ने पंक्तिबद्ध शालीनता से एक साथ चलते हुए मन्दिर के प्रांगण में पहुंचकर अपनी रैली का समापन किया। मन्दिर में पहुंचकर सभी ने सामुहिक पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात पधारे मुख्य अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय संगठन से प्रेषित अति सुन्दर व महत्त्वपूर्ण संदेश लिखित बोर्ड का अनावरण किया गया। संगठन पदाधिकारी, समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य बुद्धिजीवी जन तथा आमंत्रित प्रशासनिक अधिकारियों सहित सभी ने अपने वक्तव्य में कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सभी बहनों ने एक साथ शपथ भी ली कि वो अपनी साड़ी पहनने की प्रथा को गर्व एवम् सम्मान प्रदान कर सांस्कृतिक धरोहर को संजोएंगे तथा अगली पीढ़ी को प्रोत्साहित कर इस विरासत को आगे पहुंचाने की भरसक कोशिश करेंगे।

अध्यक्ष : श्यामा भांगड़िया * सचिव : लक्ष्मी बाहेती

पूर्वांचल प्रादेशिक महिला संगठन

आसाम प्रादेशिक महिला संगठन

उत्कल प्रादेशिक महिला संगठन

सुंदर लगती है नारी जब पहनती हैं साड़ी

महेश नवमी के उपलक्ष्य में आयोजित साड़ी वाकेथान कार्यक्रम उत्कल प्रदेश के सभी जिलों में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

पीले रंग की साड़ी माथे बिंदी हाथो में चूड़ियां –कलावा और लाल दुपट्टा पहन के सभी महिलाएं सज–धज के रैली में शामिल हुई। ब्रजराज नगर, मल्कानगिरी,ब्रह्मपुर मे धुमधाम से रैली निकाली गई।

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा अष्ट सिद्धा एवं संस्कृति सिद्धा समिति के अंतर्गत आयोजित साड़ी वाकेथान में इस वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन ने 9 जिला के साथ 7 अलग अलग स्थानों पर साड़ी वाकेथान ठोल , म्यूज़िक के साथ पीली रंग की साड़ी ,लाल दुपट्टा लगाकर आयोजित किया गया। कोलकाता प्रदेश से साड़ी वाकेथान सभी स्थानों में कुल मिलाकर 457 सदस्य इस आयोजन में सम्मिलित हुई। साड़ी वाकेथान में कई बहनें विभिन्न किरदारों में साड़ी पहनकर सम्मिलित हुई। वाकेथान में सभा के भाई , पदाधिकारीगण अन्य समाज के संगठनों व प्रशासनिक पदाधिकारि सम्मिलित होकर एकता का परिचय दिया और उन्हें सम्मानित किया गया। सभी ज़िलों ने ज़रूरतमंद राहगीरों को शरबत, लस्सी पिलाया गया।

मंजु पेडीवाल– प्रदेश अध्यक्ष *कुसुम मुंदडा– प्रदेश मंत्री

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक महिला संगठन

पश्चिम बंगाल माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा साड़ी वाकेथान में बढ़–चढ़कर सभी बहनों ने हिस्सा लिया। बहनों को साड़ी सामाजिक कार्यों में साड़ी पहनाव की प्रतिज्ञा दिलाई गई। वाकेथान शहर के प्रमुख मार्गों से निकला, जोरदार स्वागत हुआ।

झारखंड बिहार प्रादेशिक महिला संगठन

नारी लगती कितनी प्यारी , जब वह पहने साड़ी।
हाथ में कलावा माथे पर बिंदी, लाल चुनरिया तारों वाली ।

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित साड़ी वाकेथान झारखंड बिहार प्रदेश के सभी जिलों में कार्यक्रम किया गया। मुजफ्फरपुर शाखा के अतिथ्य में दो दिवसीय प्रादेशिक बैठक में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित साड़ी वॉकथोन जिला सदस्य के साथ सयुक्त रूप से एवं स्थानीय सदस्य ने भी अपने अपने जिलों मे यह प्रोग्राम किया गया । अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्षा शोभा सादानी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष गिरिजा सारडा, पूर्वांचल संयुक्त सचिव निशा लड्ढा, प्रदेश पूर्व अध्यक्ष संतोष धूत, निवर्तमान अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल, प्रदेश अध्यक्ष निर्मला लड्ढा, सचिव संगीता वितलांगिया, कोषाध्यक्ष राज चांडक, अ.भा. कार्यकारिणी सदस्य द्वारा अनावरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। स्थानीय जिला अध्यक्ष राजश्री डागा, सचिव हेमा चांडक, प्रदेश मीडिया प्रभारी रश्मि मालपानी, झारखंड बिहार के पदाधिकारी कुल 150 सदस्य के साथ भव्य रूप से वाकेथान किया गया।

नेपाल प्रादेशिक महिला संगठन

साड़ी वाकेथान कार्यक्रम में नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत बिराटनगर, काठमांडू, मेची, सगरमाथा, बिरगंज, रुपन्देही, मध्यमाञ्चल माहेश्वरी महिला मंच द्वारा सुन्दर, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित तरीके से वाकेथानकार्यक्रम पूरा किया गया। सभी मंच को मिलाकर साड़ी वाकेथान में करीब 250 महिलाओं की उपस्थिति बहुत सराहनीय थी। नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती निशा जी माहेश्वरी, संगठन की संस्थापिका अध्यक्षा गोमती जी राठी, पूर्वांचल सह प्रभारी श्रीमती अर्चना जी तापड़िया, पूर्वांचल सह प्रभारी ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति श्रीमती नीतू जी सोमानी, संगठन की महासचिव श्रीमती मल्लिका जी राठी एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा फ्लैग ऑफ कर रैली का शुभारम्भ किया गया एवं बोर्ड का अनावरण कराया गया।

दक्षिणांचल प्रादेशिक महिला संगठन

आंध्रप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

तेलंगाना आंध्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन का वाकेथन प्रदेश में 21 स्थानीय संगठन के साथ संपन्न हुआ दक्षिणांचल उपसभापति अरुण जी भंगड़िया दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री रेनू जी रीवर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे 87 प्रोफेशनल बहनों का सम्मान किया गया कार्यक्रम में 275 बहनों की सहभागिता रही।

महाराष्ट्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

दक्षिणांचल महाराष्ट्र प्रदेश लातूर जिला की बहनों मे उत्सव और उमंग से भरा राष्ट्रीय उपक्रम मे सहभागिता निभाते हुए।

नाशिक जिला महिला संगठन व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति अष्ट सिद्धा एवं संस्कृति सिद्धा के अंतर्गत येवला माहेश्वरी महिला मंडल ने 8 जून 2024 को आयोजित साड़ी थरश्रज्ञरींहेप बड़े ही बैंड बाजे के साथ शिव पार्वती गणेश जी कार्तिकेय जी अपने परिवार के साथ एवं झांसी की रानी लक्ष्मी बाई ,जीजामाता, भारत माता ,सरोजनी देवी नायडू, सुषमा स्वराज, रानी पद्मावती ,जोधा बाई ,सावित्री बाई फुले,आदि नामवंत महिला कैरक्टर बनकर रैली को चार चांद लगा दिए ।

गोवा तमिलनाडु प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

साड़ी वाकेथान में गोवा तमिलनाडु प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की बहनें पीली साड़ी, लाल दुपट्टा, माथे पर लाल बिंदी तथा हाथ में कलावा बांधे मनमोहक श्रृंगार के साथ सजी-संवरी भारतीय गौरव का मान बढ़ाती जोश और हर्षोल्लास देखते ही बन रही थी। बहनों ने प्रदेश के सभी स्थानों से साड़ी वाकेथान रैली निकालकर कार्यक्रम में सराहनीय योगदान दिया।

कर्नाटक प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वाधान में राष्ट्रीय प्रोजेक्ट साड़ी वाकेथान प्रदेश के कई शहरों में नियमों का पालन करते हुए संपन्न हुआ। पीली साड़ी लाल दुपट्टे में सुंदर महिलाएं मंदिर में बोर्ड का अनावरण फ्लैग ऑफ़ शपथ विधि सम्मान समारोह भजन एवं कहीं अल्पाहार के साथ धूमधाम से कार्यक्रम संपन्न हुआ। हुबली बेंगलुरु बागलकोट बेलारी गंगावती दांडेली आदि शहरों में करीब 600 महिलाओं ने भाग लिया। ऐसे प्रोजेक्ट से हमारी संस्कृति को नहीं पहचान मिलेगी और आने वाली पीढ़ी को सीख मिलेगी।

अध्यक्ष सरोज कासट * सचिव सुनीता लाहोटी

मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मुंबई प्रादेशिक महिला संगठन द्वारा मुंबई प्रदेश में दो जगह साडी वाकेथोन का भव्य आयोजन बोरीवली और घाटकोपर में किया गया , जिसमे 175 से अधिक बहनों ने भाग लिया , बोरीवली में स्थानीय विधायक श्रीमति मनीषा अशोक जी चौधरी और दक्षिणांचल सह प्रभारी सुलोचनाजी बल्दुआ और घाटकोपर में रामेश्वरजी राठी और प्रदेश मंत्री सीमा जी बागला ने पोस्टर का अनावरण कर उपस्थित बहनों को शपथ दिलाई और सभी ने स्वादिष्ट अल्पाहार का आनंद लिया

हाँ, साड़ी से हमें प्यार है

हर नारी का श्रृंगार है।
हाँ, साड़ी से हमें प्यार है....2
जब सजती नारी तन पर,
बढ़ा देती उसकी शान है।
हमारी संस्कृति का पहनावा,
साड़ी पर हमें अभिमान है।
रूप नारी का खिल खिल आता,
इस बात पर न तकरार है।
हाँ, साड़ी से हमें प्यार है...
कभी सिक्कों का होता बसेरा,
साड़ी के उस पल्लू में,
कभी मन्नत का होता डेरा,
साड़ी के उस पल्लू में।
साड़ी के उस एक पल्लू में
बसा लेती वो संसार है।
हाँ, साड़ी से हमें प्यार है...।
कभी घूंघट बन माथे सजती ,
कभी कमर में कसकर बंधती ।
कभी मस्त झूमता-सा बादल,
लहर-लहर लहराता आँचल।
अनेक रूपों में ढल जाती,
इसे पहनने के कई प्रकार है।
हाँ,साड़ी से हमें प्यार है...।
गाँव-गाँव, शहर-शहर,
देखो चल रही एक लहर।
बिंदी, कलावा, साड़ी में गौरव,
फैली चहुँओर यह सौरभ,
साड़ी पहन वॉकेथन करना,
बड़ा ही सुंदर विचार है।
हाँ,साड़ी से हमें प्यार है...।

शशि लाहोटी, कोलकाता

साड़ी मेरी पहचान है

मैं हूं भारतीय नारी, साड़ी मेरी पहचान है।
फिर क्यो? खो रही हूं उसको
जो मेरे जीवन का आधार है।
साड़ी के दामन में ही संस्कार सारे समाऐ है।
साडी के अंदर ही सारे संस्कृति के रंग सिमटाए है।
जीजामाता, अहिल्या पद्मिनी इस संग ही अभिमानी थी।
रानी लक्ष्मीबाई ने इस संग दी कुर्बानी थी।
दादी, नानी के पल्लू ने ना जाने क्या क्या सीखाया है।
माँ के आंचल के नीचे ही मिली तरूवर की छाया है।
इसके सप्तसुनहरे रंग संग आसमान की उडान भंरु।
इसका दामन थाम के ही सपने में साकार करूँ ।
मेरी साडी ही मेरी आन बान और शान है।
ना खोने दूंगी इसे मै यह मेरी पहचान है।

- पद्मा सोडानी

7 जून की रात

साड़ी वाकेथोन के सपनों के साथ
दिल में था सुकून
उमंग जोश और जुनून
8 जून की सुहानी भोर
कड़कती बिजली बरसते बादल
अहिल्या की नगरी इंदौर की भूमि

इंद्र की शक्ति स्वरूपा अप्सराओं का आगमन
शपथ उठाई सबने मिलकर
साड़ी है सुंदर परिधान
इसे पहनकर करें अभिमान
जागृत हुए हैं जागृत करेंगे

हमारी संस्कृति हमारा अभिमान
साड़ी भारतीयता की पहचान
सफल हुआ साड़ी वाकेथोन

किरण लखोटिया, इंदौर

शील, सौम्य, शालीनता की है पहचान, साड़ी तो है हर मौके की जान।

मुंबई प्रादेशिक माहे. महिला संगठन द्वारा रचित कविता

आँखों में नूर, चरित्र में संस्कार, चेहरे से झलकता स्वाभिमान
हाथों में कंगन, पैरों में पायल, माथे के टीके की न्यारी है शान
बालों में गजरा, कानों में कुंडल, तन पर साड़ी, बढ़ाती मान
बुद्धि व आत्मविश्वास से भरी, भारतीय नारी की यही पहचान
आदर का पल्लू, लज्जा का पर्दा, बच्चों से लिपटा ममता का आँचल
सिर्फ साड़ी नहीं, मजबूत डोर है, बंधा रहे जिसमें पूरा परिवार हर पल
सीता, गार्गी, राधा, द्रौपदी, या हो जीजाबाई
कमलापति हो, या हो रणचण्डिका लक्ष्मीबाई
इन्दिरा, सरोजिनी, सुषमा या हमारी निर्मला ताई
इन सबने भी देश की शान, साड़ी में ही बढ़ाई
शील, सौम्य, शालीनता की है पहचान
साड़ी तो है, हर मौके की शान।

एक बात चली सम्मान की

एक बात चली सम्मान की
एक बात नारी की शान की
गरिमा जिसमें तन मन दोनों की
बस बात उसी परिधान की
6 गज लंबी साड़ी जिसने
नारीत्व को दी है गरिमा
एक छाप जिसमें भारतीयता की
समेटे एक सोच मर्यादा सीमा
जो सज कर तन पर नारी के
मन का अभिमान बढ़ाती है
हर उत्सव हर त्योहारो में
रंग रोशनी बिखराती है
गज गामिनी सी चाल सजे
भामिनी के आत्म गुमान की
गरिमा जिसमें तन मन दोनों की
बस बात उसी परिधान की
कभी पल्लू बन सर पर सजती
घूंघट का अदब बन जाती है
कभी लहरा कर मस्त पवन सी
साजन सजनी की प्रीत इठलाती है
कभी मां का आंचल बन
स्नेह ममत्व बरसाती है
सुख-दुख छलके नीर दृग से
बिन बोले ही पढ़ जाती है
कभी बने नेह की थपकी
कभी कमर कस जाती है
रिश्तों के हर रंग सजाती
पहचान यह हिंदुस्तान की
गरिमा जिसमें तन मन दोनों की
बस बात उसी परिधान की
नए निराले देश विदेशी
हर अंदाज को हमने परखा है
पर नहीं कोई साड़ी सा भव्य
नहीं सभ्य इस सरीखा है
माना दौर नया सजा है
संग संग कदम मिलाना है
ध्यान रहे संस्कार भूलकर
आसान नहीं उड़ पाना है
एक हाथ में चकला बेलन है
एक हाथ कंप्यूटर लहराएंगे
पैर जमी पर ही रखकर
हम आसमा को छु पाएंगे
बस यही भाव, बस यही प्रतिज्ञा
प्रत्यक्ष और प्रमाण की
गरिमा जिसमें तन मन दोनों की
बस बात उसी परिधान की
8 जून साड़ी वाकेथान विशेष

पूर्णिमा काबरा

अन्य स्थानीय संगठनों द्वारा भी रैलियां निकाली गई, जिसमें निम्न झलकियाँ

सम्पादक की ओर से....

सभी बहनों ने साड़ी वाकेथान में बड़े ही उत्साह से भाग लिया व सभी संगठनों के प्रयास से साड़ी वाकेथान एक ऐतिहासिक क्षण बन गया। भारतीय नारी की वेशभूषा साड़ी है। भारतीय परम्परा को जीवित रखने की सभी बहनों ने शपथ भी ली। सभी बहनों को बहुत-बहुत धन्यवाद। कार्यक्रम काफी विस्तृत था, जिसकी वजह से हमें भारतवर्ष के सभी शहरों के वीडियो व फोटो मिले उसके लिए सभी का आभार। मगर ई-पत्रिका में पेजों की कमी के कारण सभी के वीडियो-फोटो लेना संभव नहीं है, इसके लिए हमें क्षमा करें। क्षेत्रीय वीडियो देखने हेतु आप फेसबुक लिंक पर अन्य शहरों के वीडियो फोटो देख सकते हैं। कृपया फेसबुक लिंक को अपने मोबाइल में क्लिक करें। -संपादक

https://www.facebook.com/groups/abmmssareewalkathon/

डिजाइन : अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स
89, एम.जी. रोड, इन्दौर 9826027300